P: ISSN NO.: 2321-290X RNI : UPBIL/2013/55327 **SHRINKHALA :** VOL-II * ISSUE-III*November-2014
E: ISSN NO.: 2349 – 980X

छत्तीसगढ़ राज्य में विद्यालयीन पुस्तकालय सेवा के विविध आयाम

सारांश

प्रस्तुत शोध बिलासपुर नगर के विभिन्न विद्यालयीन पुस्तकालय की जानकारी तथा पुस्तकालय द्वारा प्रदान की जाने वाली सेवाओं के विषय में जानकारी प्रदान कराना है।

मुख्य शब्द : पुस्तकालय, सामाजिक, औपचारिक शिक्षा।

हरीश कुमार साहू
पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान अध्ययनशाला,
पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय,
रायपुर (छ.ग.)

कुन्दन झा
सहायक प्राध्यापक (संविदा),
पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान अध्ययनशाला,
पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय,
रायपुर (छ.ग.)

प्रस्तावना

पुस्तकालय एक सामाजिक एवं प्रमुख सूचना संस्थान है। मानव सभ्यता के विकास में पुस्तकालय का एक महत्वपूर्ण योगदान रहा है। जन–शिक्षा एवं जन चेतना के प्रसार का एक मात्र माध्यम ग्रंथालय ही हैं। आज के प्रजातन्त्र–युग में पुस्तकालयों की अवधारणा, कार्य सेवाओं में परिवर्तन आया हैं।

शैक्षणिक पुस्तकालय शिक्षा के प्रसार तथा सूचना के संचार का प्रभावशाली माध्यम है। शैक्षणिक पुस्तकालय औपचारिक शिक्षा में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। औपचारिक शिक्षा के अंतर्गत मनुष्य किसी विषेश पाठ्यक्रम के आधार पर विशेष स्तर की शिक्षा प्राप्त करता है। यह शिक्षा विद्यालय, महाविद्यालय तथा विश्व विद्यालयों तथा शोध संस्थानों के माध्यम से प्राप्त होती है। पुस्तकालय किसी भी शैक्षणिक संस्था का महत्वपूर्ण अंग होता है। पुस्तकालय को शैक्षणिक संस्था का हृदय कहा जाता है।

शोध का उददे्श्य

प्रस्तुत शोध के निम्नलिखित उददे्श्य हैः–

1. बिलासपुर शहर में स्थित विद्यालयीन पुस्तकालय की वर्तमान जानकारी प्रदान करना।
2. विद्यालयीन पुस्तकालय के प्रबंधन एवं कुल संग्रह विकास की जानकारी प्रदान करना।
3. विद्यालयीन पुस्तकालय द्वारा प्रदान की जाने वाली पुस्तकालय सेवा की जानकारी प्रदान करना।
4. विद्यालयीन पुस्तकालय के प्रलेख के रखरखाव के विषय में जानकारी देना।
5. विद्यालयीन पुस्तकालय के प्राचार्य, पुस्तकालय अध्यक्ष एवं पुस्तकालय के अन्य कर्मचारी की जानकारी प्रदान करना।

शोध की प्रविधि

प्रस्तुत शोध में आंकड़ो को एकत्रित करने में निम्न विधियों का उपयोग किया गया है :–

1. प्रश्नावली द्वारा।
2. पुस्तकालयों के व्यक्तिगत सर्वेक्षण एवं साक्षात्कार द्वारा।

शोध का क्षेत्र

प्रस्तुत शोध में मुख्य रूप से बिलासपुर नगर के विद्यालयों से संबंधित है। यहां पर स्थित निम्नाकिंत विद्यालयों में अध्ययन किया गया है

क्र.	शहर का नाम	संस्था का नाम
1.	बिलासपुर	शा. बहु.उच्चतर माध्यमिक शाला बिलासपुर
2.	बिलासपुर	सेन्ट जोसेफ कान्वेंट कन्या उ.मा.शा बिलासपुर
3.	बिलासपुर	लाल बहादुर शास्त्री उच्च माध्यमिक शाला बिलासपुर

तथापि बिलासपुर नगर उपलब्ध पुस्तकालयों के अध्ययन जो तथ्य व आंकड़ों प्राप्त हुए हैं वे इस प्रकार है।

1. शासकीय बहुउद्देशीय उच्चतर माध्यमिक शाला, बिलासपुर।
2. सेन्ट जोसेफ कान्वेंट कन्या उच्चतर माध्यमिक शाला, बिलासपुर।
3. लाल बहादुर शास्त्री उच्चतर माध्यमिक शाला, बिलासपुर।

शासकीय बहुउद्देशीय उच्चतर माध्यमिक शाला बिलासपुर

इस विद्यालय की स्थापना 1910 में हुई थी। इस विद्यालय की पुस्तकालय की स्थापना 1960 में हुई जो विद्यार्थियों में एवं शिक्षको की आवश्यकता को ध्यान में रखकर स्थापित किया गया हैं। इस विद्यालय के प्राचार्य श्री आर. के. दीक्षित इनकी योग्यता बी.लिब.आई.एस.सी हैं। जिन्हे 27 वर्ष का अनुभव हैं। इस विद्यालय को और अधिक वर्धनशील बनाने में अपना बहुमूल्य योगदान प्रदान कर रहे हैं। यह शासन द्वारा निर्मित विद्यालय है तथा शासन द्वारा प्राप्त राशि से पुस्तकें क्रय की जाती है। यहां विद्यार्थियों के शिक्षा विकास में उचित ध्यान दिया जाता हैं। जिससे इस विद्यालय के शिक्षा प्रणाली में और अधिक गतिशीलता आ गयी हैं। इस विद्यालय के ग्रंथालय का प्रमुख उद्देश्य विद्यालय मे अध्ययनरत विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास करता है। यहां शिक्षकों एवं छात्रों की आवश्यकताओं को पूरा करने की दृष्टि से ग्रंथालय की स्थापना की गई है। यहां पुस्तकों का क्रय स्थानीय निधि तथा प्रकाशन द्वारा किया जाता हैं तथा पुस्तकों का क्रय करते समय पाठकों एवं शिक्षकों की मांग को प्राथमिकता दी जाती हैं।

यहां बुक बैंक का भी प्रावधान हैं जिससे गरीब जरूरतमंद छात्रों को कम मूल्य में अधिक समय के लिए बुक प्रदान किया जाता हैं जिससे वे अपनी शिक्षा की निंरतरता को बनाये रख सकें। इस विद्यालय में कुल पुस्तकों की संख्या 9000 हैं जो अधिक श्रेष्ठता का साधन बनती हैं।

इस विद्यालय के पुस्तकालय में सामान्य ग्रंथ, पाठ्य पुस्तक, संदर्भ ग्रंथ तथा अन्य प्रकार ग्रंथ का संग्रह किया जाता हैं। जिसका उपयोग शिक्षकों एवं छात्रो द्वारा किया जाता हैं। जहां समाचार पत्र एवं पत्रिकाओं का भी संग्रह किया जाता हैं, जो पाठकों तथा शिक्षकों को नवीनतम जानकारी प्रदान करती हैं। इस विद्यालय में छात्रों की संख्या 1500 यहां उनके उपयोग हेतु पुस्तकों की संख्या 9000 हैं। यहा ग्रंथालय भवन की व्यवस्था है एवं ग्रंथालय के लिए फन्ड शासकीय अनुदान से प्राप्त होता हैं। यहां पर पुस्तकालय के कार्य में सहयोग प्रदान करने हेतु छः पुस्तकालय परिचायक की व्यवस्था है।

सामयिकी प्रलेख संग्रह की स्थिति

कुल पुस्तकों की संख्या	पाठ्य पुस्तकों की संख्या	संदर्भ पुस्तकों की संख्या	पत्र–पत्रिकाओं की संख्या	जर्नल्स की संख्या	समाचार पत्र की संख्या	योग
9000	7000	1960	29	6	5	18000

विभिन्न उपयोगकर्ताओं की संख्या

छात्र संख्या	शिक्षकों की एवं कर्मचारी की संख्या				
	अध्यापक	सहायक	अन्य कर्मचारी आफिस	चपरासी	योग
1500	42	9	4	6	61

पुस्तकालय द्वारा प्रदत्त सेवाएं

क्र.	सुविधाएँ	प्रदत्त/अप्रदत्त
1.	अध्ययन कक्ष की सेवा	हॉ
2.	रिप्रोग्राफी (फोटोकॉपी) की सेवा	नहीं
3.	इन्टरनेट की सुविधा	नही
4.	पुस्तक आदान–प्रदान की सुविधा	हॉ
5.	संदर्भ सेवा	हॉ

ग्रंथालय बजट

क्र.	शासकीय अनुदान	अन्य स्त्रोत से प्राप्त अनुदान	शुल्क व जुर्माना	दान व उपहार
1.	हॉ	नहीं	नहीं	नहीं

पुस्तकालय द्वारा दी जाने वाली सुविधाएँ

क्र.	विशेष सुविधाएँ	हॉ/नही
1.	बुक बैंक का प्रावधान	हॉ
2.	केटलॉग के लिए रजिस्टर का उपयोग	हॉ
3.	पुस्तक चयन के लिए सदस्य	5 सदस्य
4.	प्रणाली बंद या खुली	बंद
5.	ग्रंथालय में दशमलव वर्गीकरण पद्धति	हॉ

पुस्तकालय उपकरण

क्र.	उपकरण	संख्या
1.	अलमारी	20
2.	टेबल–कुर्सी	5–10
3.	अध्ययन टेबल–कुर्सी	10–20
4.	कम्प्यूटर उपकरण	1
5.	कम्प्यूटर प्रिंटर	1

सेन्ट जोसेफ कान्वेंट कन्या उच्चतर माध्यमिक शाला, बिलासपुर (हिन्दी माध्यम)

इस विद्यालय की स्थापना 1945 में की गई हैं। यह विद्यालय अशासकीय (अनुदान प्राप्त) स्कूल हैं। यहां के प्राचार्य का नाम सि. हेलन हैं। यहां विद्यार्थी व शिक्षकों के ज्ञान वृद्धि के लिए ग्रंथालय की व्यवस्था की गई है। ग्रंथालय की स्थापना वर्ष की कोई जानकारी प्राप्त नहीं हुई हैं। यहां का ग्रंथालय बहुत ही सुन्दर व सुसज्जित व पर्याप्त साधनों व उपकरणों से युक्त हैं। यहां के ग्रंथपाल का नाम मि. फिलिप टॉड हैं। जिनकी योग्यता एम.लिब है। वह यहां स्थाई रूप से नियुक्त किये गये हैं तथा इन्हे 7 वर्ष का अनुभव हैं। पुस्तकों के चयन के लिए कोई ऐसी समिति

नियुक्त नहीं कि गई हैं। चार–पॉच पुस्तकें अध्यापकों व छात्रों की आवश्यकतानुसार मंगाई जाती हैं यहां अध्यापकों के द्वारा ही चयन किया जाता है। यहां कुल पुस्तकों की संख्या 4125 हैं। इनका स्वयं का ग्रंथालय भवन हैं जहां बच्चों को पढ़ने के लिए पूरी व्यवस्था पद्धति का उपयोग किया जाता है। कैटलॉग के लिए रजिस्टर का उपयोग किया जाता है। यहां ग्रंथालय के लिए फन्ड स्कूल फन्ड से किया जाता है। यहां पर पुस्तकालय के कार्य में सहयोग प्रदान करने हेतु नौ पुस्तकालय परिचायक की व्यवस्था हैं।

सामयिकी प्रलेख संग्रह की स्थिति

कुल पुस्तकों की संख्या	पाठ्य पुस्तकों की संख्या	संदर्भ पुस्तकों की संख्या	पत्र–पत्रिकाओं की संख्या	जर्नल्स की संख्या	समाचार पत्र की संख्या	योग
4125	3500	598	20	4	3	8250

विभिन्न उपयोगकर्ताओं की संख्या

छात्र संख्या	शिक्षकों की एवं कर्मचारी की संख्या				
	अध्यापक	सहायक	अन्य कर्मचारी आफिस	चपरासी	योग
900	38	5	9	7	59

पुस्तकालय द्वारा प्रदत्त सेवाएं

क्र.	सुविधाएँ	प्रदत्त/अप्रदत्त
1.	अध्ययन कक्ष की सेवा	हॉ
2.	रिप्रोग्राफी (फोटोकॉपी) की सेवा	नहीं
3.	इन्टरनेट की सुविधा	हॉ
4.	पुस्तक आदान–प्रदान की सुविधा	हॉ
5.	संदर्भ सेवा	हॉ

ग्रंथालय बजट

शासकीय अनुदान	अन्य स्त्रोत से प्राप्त अनुदान	शुल्क व जुर्माना	दान व उपहार
नही	हॉ/सेमी गॉरमेन्ट	हॉ	नहीं

पुस्तकालय द्वारा दी जाने वाली सुविधाएँ

क्र.	विशेष सुविधाएँ	हॉ/नही
1.	बुक बैंक का प्रावधान	नहीं
2.	केटलॉग के लिए रजिस्टर का उपयोग	हॉ
3.	पुस्तक चयन के लिए सदस्य	5 सदस्य
4.	प्रणाली बंद या खुली	बंद
5.	ग्रंथालय में दषमलव वर्गीकरण पद्धति	नही

पुस्तकालय उपकरण

क्र.	उपकरण	संख्या
1.	अलमारी	18
2.	टेबल–कुर्सी	1–22
3.	अध्ययन टेबल–कुर्सी	4–40
4.	कम्प्यूटर उपकरण	1
5.	कम्प्यूटर प्रिंटर	1

लाल बहादुर शास्त्री उच्चतर माध्यमिक शाला बिलासपुर

इस विद्यालय की स्थापना सन् 1948 में हुई यह विद्यालय अशासकीय हैं तथा नगर निमग द्वारा संचालित हैं। यहां प्राचार्य का नाम हबीब मेमन है। तथा ग्रंथालय की स्थापना सन् 1996 में किया गया। ग्रंथपाल का नाम श्री सत्य नारायण यादव जी है जो कि प्रभारी नियुक्त किये गयें है। इनकी योग्यता एम.ए. है इनको 5 वर्षों का अनुभव हैं। यहां ग्रंथालय का वित्तिय प्रबंध क्रियाकलाप विधि से होता हैं। यहां विद्याार्थियों को ग्रंथालय के उपयोग हेतु उपकरणों की व्यवस्था की गई है। इस विद्यालय को नगर निगम से आर्थिक सहायता प्राप्त होती हैं। यहां ग्रंथालय भवन की व्यवस्था हैं। यहां बुक बैंक का प्रावधान नहीं है। यहां चपरासी 3 है उनकी योग्यताएँ 8 वीं हैं।

सामयिकी प्रलेख संग्रह की स्थिति

कुल पुस्तकों की संख्या	पाठ्य पुस्तकों की संख्या	संदर्भ पुस्तकों की संख्या	पत्र–पत्रिकाओं की संख्या	जर्नल्स की संख्या	समाचार पत्र की संख्या	योग
2000	1500	485	8	5	2	4000

विभिन्न उपयोगकर्ताओं की संख्या

छात्र संख्या	शिक्षकों की एवं कर्मचारी की संख्या				
	अध्यापक	सहायक	अन्य कर्मचारी आफिस	चपरासी	योग
260	12	6	2	3	3

पुस्तकालय द्वारा प्रदत्त सेवाएं

क्र.	सुविधाएँ	प्रदत्त/अप्रदत्त
1.	अध्ययन कक्ष की सेवा	हॉ
2.	रिप्रोग्राफी (फोटोकॉपी) की सेवा	नहीं
3.	इन्टरनेट की सुविधा	कोई जवाब नही
4.	पुस्तक आदान–प्रदान की सुविधा	हॉ
5.	संदर्भ सेवा	हॉ

ग्रंथालय बजट

	शासकीय अनुदान	अन्य स्त्रोत से प्राप्त अनुदान	शुल्क व जुर्माना	दान व उपहार
1.	नही	सेमी गॉरमेन्ट संस्था नगर निमम	नहीं	नहीं

पुस्तकालय द्वारा दी जाने वाली सुविधाएँ

क्र.	विशेष सुविधाएँ	हॉ/नही
1.	बुक बैंक का प्रावधान	हॉ
2.	केटलॉग के लिए रजिस्टर का उपयोग	हॉ
3.	पुस्तक चयन के लिए सदस्य	हॉ पैनल
4.	प्रणाली बंद या खुली	बंद
5.	ग्रंथालय में दशमलव वर्गीकरण पद्धति	नही

पुस्तकालय उपकरण

क्र.	उपकरण	संख्या
1.	अलमारी	8
2.	टेबल–कुर्सी	1–5
3.	अध्ययन टेबल–कुर्सी	5–15
4.	कम्प्यूटर उपकरण	1
5.	कम्प्यूटर प्रिंटर	नही

सुझाव

1. शिक्षा विभाग द्वारा समस्त विद्यालयों में पुस्तकालय को अनिवार्य घोषित किया जाना चाहिए और उनमें प्रशिक्षित पुस्तकालयाध्यक्षों की नियुक्ति की जानी चाहिए साथ ही उन पुस्तकालयों में अन्य कर्मचारी की पर्याप्त मात्रा में नियुक्ति भी की जानी चाहिए, जिनमें उपयोगकर्ताओं की समस्याओं का समुचित समाधान हो सके ।
2. विद्यार्थियों को उपर्युक्त सामग्री का उपयोग करनें के लिए विद्यालयी पुस्तकालय में अध्येता परामर्शदायी सेवा की उपलब्ध भी अति आवश्यक है । अतः इनकी भी व्यवस्था करना उचित प्रतीत होता है।
3. बालको को दृश्य–श्रव्य उपकरण अधिक प्रकाशित करते है जिनके लिये पुस्तकालय में चित्रलेखों से परिपूर्ण विश्व कोशों, चित्र, पुस्तकों, शब्दकोषों, फिल्मों आदि के संग्रह पर अधिक ध्यान केन्द्रित किया जाना चाहिए, जो सेवा की दृष्टि से अति आवश्यक एवं महत्वपूर्ण सिद्ध होता है ।
4. पुस्तकालय विज्ञान में निपुण तथा दक्ष पुस्तकालयाध्यक्षों की नियुक्ति विद्यालय पुस्तकालयों में होना चाहिए, जिसमें विद्यार्थियों में पुस्तक के प्रति आकर्षक एवं ज्ञान भण्डार का आत्मसात कर सके।
5. पुस्तकालय समिति की अनुशंसा अनुसार किसी भी पुस्तकालय में उस संस्था के बजट का कम से कम 6 प्रतिशत राशि खर्च किया जाना चाहिए किन्तु बिलासपुर नगर के विद्यालयीन पुस्तकालयों 6 प्रतिशत तो दूर की बात है , आवश्यक दैनिक समाचार पत्र, सामयिक पत्र, पत्र–पत्रिकाएं भी नहीं मंगायी जा रही है ।
6. विद्यालयीन स्तर की पुस्तकालयों के लिये भी नवीन जानकारियों एवं सेवाओं के लिए अभिमुखीकरण पाठ्यक्रम की व्यवस्था की जानी चाहिए ताकि पुस्तकालय सेवाओं के विभिन्न नवीन आयामों से परिचित हो सकें।

उपसंहार

अंत में प्रस्तुत अध्ययन में यह कहा जा सकता हैं कि यद्यपि बिलासपुर नगर के विद्यालयीन पुस्तकालयों में पुस्तकालय सेवा का उपयोग समुचित मात्रा में नहीं किया जाता है, तथापि विद्यालयों के प्रबंधकों, प्राचार्य एवं शिक्षकों तथा पुस्तकालयाध्यक्षों से मिले संकेत के अनुसार यदि समुचित वित्त की व्यवस्था शासन द्वारा पर्याप्त मात्रा में की जाय तो, विद्यालयीन ग्रंथालयों में पुस्तकालय सेवा के माध्यम से विद्यार्थियों में अध्ययन–अध्यापन के प्रति जागरूकता एवं उनके भावी नैतिक मूल्यों के विकास में उत्तरोत्तर वृद्धि की जा सकती हैं।

सन्दर्भ ग्रंथ

1. साहू, मीनाक्षीः ''बिलासपुर नगर के संदर्भ में विद्यालयीन पुस्तकालयों के संदर्भ कार्य '' एम. लिब ,लघु शोध प्रबंध, गुरूघासी विश्वविद्यालय, बिलासपुर पृष्ठ–2
2. सिंह , श्यामधर :– ''वैज्ञानिक सामाजिक अनुसंधान एवं सर्वेक्षण के मूल तत्व'' बंशी लाल मेडतिया, कमल प्रकाशन, इन्दौर, 1991, पृष्ठ 3–4
3. गौरहा , प्रीति :– '' विद्यालयीन पुस्तकालय सेवाएं : बिलासपुर नगर के शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय विशेष संदर्भ में ''एम.फिल. लघुशोध प्रबंध डॉ. सी.वी.रमन विश्वविद्यालय, करगी रोड कोटा बिलासपुर , पृष्ठ 4
4. साहू, मीनाक्षीः ''बिलासपुर नगर के संदर्भ में विद्यालयीन पुस्तकालयों के संदर्भ कार्य'' एम.लिब, लघु शोध प्रबंध, गुरूघासी विश्वविद्यालय, बिलासपुर पृष्ठ–14
5. शर्मा, पालेश्वर : ''छत्तीसगढ़ का सांस्कृतिक इतिहास मित्तल एण्ड संस, दिल्ली, 2008 पृष्ठ–15
6. साहू, मीनाक्षीः ''बिलासपुर नगर के संदर्भ में विद्यालयीन पुस्तकालयों के संदर्भ कार्य'' एम.लिब, लघु शोध प्रबंध, गुरूघासी विश्वविद्यालय, बिलासपुर पृष्ठ–16
7. भार्गव , जी.डी.: ''पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान'' विभाग विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन (म0प्र0) पृष्ठ–18
8. शर्मा, एन.के.: ''पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान'' विभाग कुरू क्षेत्र विश्व विद्यालय, कुरूक्षेत्र (हरियाणा) पृष्ठ 19–22
9. चतुर्वेदी, देवीदत्त : ''पुस्तकालय और समाज, हिमालया पब्लिशिंग हाऊस, 1995, पृष्ठ –24
10. सकसेना, एल0एस : ''पुस्तकालय संगठन के सिद्धांत, मध्य प्रदेश हिन्दीं ग्रंथ अकादमी, भोपाल, 1981, पृष्ठ–24
11. चतुर्वेदी देवीदत्त : ''पुस्तकालय और समाज, हिमालया पब्लिशिंग हाऊस, 1995, पृश्ठ–25
12. कुमार , कृष्ण : '' पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग'' दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली पृष्ठ–27
13. भार्गव, जी0डी0: ''पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग'' विक्रय विश्व विद्यालय, उज्जैन (म0प्र0) पृष्ठ 29–30
14. अग्रवाल , श्याम सुन्दरः ''ग्रंथालय तथा समाज आर.बी. एस.ए. ,पब्लिशर्स, जयपुर पृष्ठ 30–31
15. कालभोर, गोपनाथः भारतीय शिक्षा प्रणाली और ग्रंथालय, प्रिंट वेल पब्लिकेषन , जयपुर , 1997, पृष्ठ 31–32
16. तिवारी, ब्रजेष : विद्यालय पुस्तकालय के विकास में विष्वविद्यालय अनुदान आयोग की भूमिका बिलासपुर नगर के विद्यालयों के विषेश संदर्भ में हैं।